घर पर 3-0 से हारना बहुत मुश्किल है, और इसके लिए आत्मनिरीक्षण की जरूरत है। क्या यह तैयारी की कमी थी, क्या यह खराब शॉट चयन था, या मैच से पहले अभ्यास की कमी थी?- सचिन तेंदुलकर

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, भारतीय टीम के 3-0 से हारने पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

ईशान किशन

ऑस्ट्रेलिया ए ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां भारत ए को चार दिवसीय अनधिकृत टेस्ट मैच में सात विकेट से हराया जिसमें भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन गेंद बदलने के विवाद में फंस गए। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने 225 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन सुबह अपनी पारी तीन विकेट पर 139 रन से आगे बढ़ाई।कप्तान नाथन मैकस्वीनी (नाबाद 88) और ब्यू वेबस्टर (नाबाद 61) ने चौथे विकेट के लिए 141 रन की अटूट साझेदारी करके अपनी टीम को आसान जीत दिलाई।

क्या आप जानते हैं ?... विश्व कप फुटबॉल के एक मैच में सर्वाधिक गोल का रिकार्ड ऑस्ट्रेलिया और स्वीजरलैंड के बीच (7-5) खेले गये मैच के दौरान हुआ।

माइनेनी-रामकुमार की जोड़ी ने जीता सियोल ओपन युगल का खिताब

सियोल (दक्षिण कोरिया), 3 नवंबर। भारत की साकेत माइनेनी-रामकुमार रामनाथन की जोड़ी ने रविवार को फाइनल में मुकाबले में अमेरिका के वासिल किरकोव और नीदरलैंड के बार्ट स्टीवंस की जोड़ी को हराकर सियोल ओपन पुरुष युगल का खिताब अपने नाम किया। आज यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने अमेरिका के वासिल किरकोव और नीदरलैंड के बार्ट स्टीवंस की जोड़ी को 6-4, 4-6, 10-3 से हराया। यह भारतीय जोड़ी का चौथा एटीपी चैलेंजर खिताब है। इससे पहले सेमीफाइनल में साकेत मायनेनी और रामकुमार रामनाथन ने दक्षिण कोरिया के नाम जी सुंग और ग्रेट ब्रिटेन के जोशुआ पेरिस को 7(9)-6(7), 6-4 से हराया था। मायनेनी और रामनाथन ने पहले दौर में कोलंबिया के दूसरे वरीय क्रिस्टियन रोड्रिग्ज और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू रोमियोस को हराया था और फिर क्वार्टर फाइनल में कोरियाई वाइल्ड कार्ड जियोंग योंगसोक और पार्क उइसुंग को हराया था।

अनाहत सिंह ने जीता साल का छठा पीएसए चैलेंजर स्क्वैश खिताब

कॉफ्स हार्बर (ऑस्ट्रेलिया), 3 नवंबर। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने रविवार को जापान की अकारी मिडोरिकावा को 3-0 से हराकर कोस्टा नॉर्थ कोस्ट ओपन 2024 के महिला एकल खिताब जीत लिया। यह अनाहत का इस साल का छठा पीएसए चैलेंजर खिताब है। आज यहां खेले गये फाइनल मुकाबले में 16 साल की अनाहत सिंह ने जापान की छठी वरीयता प्राप्त अकारी मिडोरिकावा को 3-0 (11-6, 11-6, 11-7) से हराकर खिताब अपने नाम किया। भारतीय स्क्वैश स्टार ने पूरे टूर्नामेंट में अपने दबदबे को बरकरार रखा और केवल एक ही गेम गंवाया। उन्होंने सेमीफाइनल में हांगकांग की सातवीं वरीयता प्राप्त किर्स्टी वोंग को 3-1 (11-5, 7-11, 11-7, 11-9) से हराकर फाइनल में जगह बनाई थी, जबकि दूसरे राउंड और क्वार्टरफाइनल में हांगकांग की बोबो लाम और हेलेन टांग को हराया था। पिछले साल हांगझोउ एशियाई खेलों में महिलाओं की टीम और मिश्रित युगल इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाली अनाहत सिंह को उनकी वरीयता के कारण पहले राउंड में बाई मिली थी। यह उनका इस वर्ष का छठा खिताब है।

हीरानन्द कटारिया व नरेन्द्र यादव को सम्मान पत्र प्रदान किया

जयपुर, 3 नवंबर। बी-पॉजिटिव संस्थान ने स्व.जगदीश चौधरी सकारात्मक सोच सम्मान पत्र -2022 अंतराष्ट्रीय खिलाडी हीरानन्द कटारिया के खेल क्षेत्र में किये गए योगदान के लिए सम्मानित किया। 2023 के स्व. जगदीश चौधरी सकारात्मक सोच सम्मान पत्र के लिए नरेंद्रजी यादव को उनके पर्यावरण क्षेत्र में किये गए कार्यों विशेषत 1 लाख बरगद के पेड़ो के वृक्षारोपण के लिए सम्मानित किया। बी प्लस एनजीओ सामाजिक क्षेत्र में विशेष योगदान देने वाले व्यक्तित्व, संस्था, समूह को स्व. जगदीश चौधरी स्मृति पुरस्कार प्रतिवर्ष एनजीओ परिवार द्वारा प्रदान किया जाता है। कार्यक्रम में बी-पॉजिटिव संस्थान के इस वर्ष नये सदस्यों का साफा पहनाकर सम्मान किया गया। सदस्य राजकुमार यादव व रामनिवास यादव ने सभी आगन्तुकों को धन्यवाद ज्ञापित किया।

हॉकी इंडिया चैंपियनशिप का 14वां संस्करण, 31 टीमें करेंगी प्रतिस्पर्धा

चेन्नई, 3 नवंबर। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में सोमवार से शुरु हो रही हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप का 14वें संस्करण कुल 31 टीमें हिस्सा लेंगी। मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होने वले इस टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने वाली 31 टीमों को आठ पूल में बांटा गया है। प्रत्येक पूल से शीर्ष टीम 13 नवंबर को क्वार्टर-फाइनल में आगे बढ़ेगी, उसके बाद 15 नवंबर को सेमीफाइनल और 16 नवंबर को फाइनल और तीसरे/चौथे स्थान के लिए प्ले-ऑफ होगा।

कप्तान रोहित शर्मा ने टीम की शर्मनाक हार की जिम्मेदारी ली

मुबंई, 3 नवंबर। कप्तान रोहित शर्मा ने टीम की शर्मनाक हार की जिम्मेदारी ली और कहा कि इसे आसानी से पचाया नहीं जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि यह उनके करियर का सबसे बुरा दौर है। उन्होंने कहा कि इस तरह का प्रदर्शन मेरे करियर का सबसे बुरा दौर होगा और मैं इसकी पूरी जिम्मेदारी लेता हूं।

रोहित ने कहा, श्रृंखला गंवाने की बात पचाना मुश्किल है। श्रृंखला हारना, टेस्ट मैच हारना कभी भी आसान नहीं होता। यह आसानी से पचने वाली बात नहीं है। हमने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला। न्यूजीलैंड ने पूरी श्रृंखला में बेहतर प्रदर्शन किया। हमने कई गलतियां कीं। उन्होंने आगे कहा, पहले दो टेस्ट में हमने पहली पारी में ज्यादा रन नहीं बनाए। इस मैच में हमने 28 रन की बढ़त हासिल की और फिर मिले लक्ष्य को हासिल किया जा सकता था। उन्होंने कहा, हम एक इकाई के रूप में विफल रहे। जब आप इस तरह के लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो आप चाहते हैं कि बोर्ड पर रन बने। यह मेरे दिमाग में था लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। जब जो चाहते हो ऐसा नहीं होता तो यह अच्छा नहीं लगता।

भारतीय कप्तान ने बताया कि वह अपने खुद के प्रदर्शन से भी काफी निराश हैं। उन्होंने कहा, मैं कुछ खास योजनाओं के साथ मैदान में उतरता हूं और इस श्रृंखला में वे योजनाएं सफल नहीं हो पाईं। हमने इन परिस्थितियों में अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट नहीं खेला और इसका खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा, मैं कप्तान के रूप में और बल्लेबाजी में भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाया। एक इकाई के रूप में हम मिलकर अच्छा प्रदर्शन करने में विफल रहे।

मैच में अपनी खराब बल्लेबाजी पर विस्तार से बात करते हुए कप्तान ने कहा कि वह अपने खेल की समीक्षा करेंगे। उन्होंने कहा, मेरा डिफेंस। मैंने क्रीज पर बहुत ज्यादा देर तक नहीं खेला तो मैंने बहुत ज्यादा डिफेंड नहीं किया। मुझे इस पर गौर करने की जरूरत है।

// पंत के विकेट पर विवाद //

रोहित बोले-यह निर्णायक विकेट, सबके लिए नियम एक जैसे हों

मुंबई, 3 नवम्बर। मुंबई टेस्ट की आखिरी पारी में ऋषभ पंत के विकेट पर विवाद खड़ा हो गया है। इस फैसले से भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरा टेस्ट 25 रन से हार गई। इसी के साथ टीम को 3 से ज्यादा मैचों की सीरीज में घर पर पहली बार क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा।

मैच के बाद भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने कहा- पंत का विकेट हमारे लिए निर्णायक रहा। यहां से हम मैच हार गए। हमें उम्मीद थी कि पंत जीत दिला देंगे।

22वें ओवर में भारत ने पंत के रूप में 7वां विकेट गंवाया। शानदार बल्लेबाजी कर रहे ऋषभ पंत 64 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें एजाज पटेल ने विकेटकीपर टॉम ब्लंडेल की लेकिन अंपायर ने नॉट आउट दिया।

यहां टॉम लैथम ने रिव्यू लिया जिसमें दिख रहा था की बॉल, बैट और पैड के साथ में टकराई है। पंत ने फील्ड अंपायर को समझाने को कोशिश की लेकिन थर्ड अंपायर ने आउट दिया।

अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता आज से

पहले दिन खेले जायेंगे 600 मुकाबले

जयपुर, 3 नवंबर। अन्डर-15 एवं अन्डर-17 नेशनल रैंकिंग बैडमिन्टन प्रतियोगिता गुलाबी नगर के सवाई मानसिंह इण्डोर स्टेडियम पर सोमवार से शुरू होगी। पहले दिन वालिफाइंग राउण्ड के 600 मुकाबले खेले जायेंगे। क्वालिफाइंग राउण्ड 8 नवम्बर की दोपहर तक चलेंगे। प्रतियोगिता के लड़के के अन्डर-15 आयु वर्ग में हेमन्त श्री को पहली व सतीश एस.के. वासुदेव को दुसरी वरीयता मिली हैं। इसी आयु वर्ग की लड़कीयों में मानिया अग्रवाल को पहली व वेंकटेश यागना को दुसरी सीड मिली हैं। लड़को के अन्डर-17 आयु वर्ग में यशहस एम. रेडडी को पहली व अमित राज नटराज को दुसरी वरीयता मिली हैं। इसी आयु वर्ग की लड़कीयों के वर्ग में सीरत बुदवर को पहली व अनुसंजना मुरली को दुसरी सीड मिली हैं।

प्रतियागिता में 2600 से अधिक खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। चीफ रेफरी पी रामकृष्णैया ने रविवार की शाम प्रतियोगिता का ड्रॉ निकाला। प्रतियोगिता के डिप्टी रेफरी त्रिलोक शुक्ला होंगे। चीफ रेफरी ने ड्रॉ के बाद अम्पयार व तकनीकी अधिकारियों की बैठक ली। प्रतियोगिता के मैच कन्ट्रोलर शिशीर खरे हैं। पहले दिन के मुकाबले प्रात: 08:00 बजे से शुरू होंगे। रविवार को खिलाडियों ने जमकर अभ्यास भी किया।

भारत का फाइनल में पहुंचना कठिन

अब ऑस्ट्रेलिया में 4-0 से जीतना ही होगा

मुंबई, 3 नवम्बर। न्यूजीलैंड ने भारत में 3-0 से टेस्ट जीतकर इतिहास रच दिया है। जबकि टीम इंडिया ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की राह को बहुत मुश्किल बना लिया है। टीम को अब बाकी टीमों पर निर्भर नहीं रहना तो 22 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया में शुरू होने वाली 5 टेस्ट की सीरीज में 4 मैच जीतने ही होंगे।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड ने भारत में टेस्ट सीरीज जीतकर फाइनल में पहुंचने के दरवाजे खोल लिए। अगर टीम भारत में हार जाती तो फाइनल की रेस से बाहर हो जाती, लेकिन उसने इतिहास रचा और अपनी उम्मीदें कायम रखीं।

भारत की अपने ही घरेलू मैदान पर शर्मनाक हार के बाद 5 टीमों के फाइनल में पहुंचने के रास्ते खुल गए हैं। भारत और न्यूजीलैंड के अलावा ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका की टीमें भी फाइनल में जगह बना सकती हैं। पांचों टीमें पॉइंट्स टेबल की टॉप-5 पोजिशन पर भी हैं। वहीं, इंग्लैंड, पाकिस्तान, वेस्टइंडीज और बांग्लादेश रेस से बाहर हो चुके हैं।वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के पिछले 2 फाइनल खेलने वाली टीम इंडिया के लिए इस बार का खिताबी मुकाबला नामुमकिन लग रहा है। टीम न्यूजीलैंड से हारकर पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर खिसक गई है। टीम 74.24 पॉइंट्स से सीधे 58.33 पॉइंट्स पर पहुंच गई है।

भारत की आखिरी टेस्ट सीरीज अब ऑस्ट्रेलिया से ही बाकी है। टीम को वहां 22 नवंबर से 7 जनवरी तक 5 टेस्ट खेलने हैं। भारत ने 3-2 से सीरीज जीत भी ली तो भी टीम फाइनल में नहीं पहुंच पाएगी। 4 टेस्ट जीतकर ही टीम बगैर किसी पर निर्भर हुए फाइनल में जगह बना सकेगी।

हालांकि 4-0 से जीतना बहुत ज्यादा मुश्किल है, क्योंकि टीम विराट कोहली और अंजिक्य रहाणे जैसे दिग्गजों की कप्तानी में भी ऑस्ट्रेलिया जाकर 8 में से 4 ही टेस्ट जीत सकी थी। जबकि अब भारत में 5 टेस्ट हारने का रिकॉर्ड बना चुके रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ऑस्ट्रेलिया जा रही है। पॉइंट्स में जानते हैं 55 से ज्यादा पॉइंट्स रखने के लिए भारत को ऑस्ट्रेलिया में कितने मैच जीतने होंगे।

रोहित घर में 5वां टेस्ट हारे

मुंबई, 3 नवम्बर। रोहित शर्मा ने अभी तक बतौर कप्तान घर में 16 मैच खेले हैं, जिसमें अभी तक वह 5 मुकाबले हार चुके हैं। वहीं अजहरुद्दीन और कपिल देव ने घर पर अपनी कप्तानी में 4-4 मैच हारे थे। इस लिस्ट में मंसूर अली खान पटौदी 27 में से 9 मैच हारकर टॉप पर हैं। न्यूजीलैंड ने इस मैच में भारत को चौथी पारी में जीत के लिए 147 रन का टारगेट दिया था। भारत की पारी 121 रन पर ऑलआउट हो गई। न्यूजीलैंड ने मैच को 25 रन से अपने नाम किया। यह न्यूजीलैंड का डिफेंड किया गया दूसरा सबसे छोटा टारगेट है। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के स्पिनर एजाज पटेल ने तीसरे मैच में 11 विकेट लिए। पहली पारी में 5 और दूसरी में 6 विकेट झटके।

आरपीसी ने एकतरफा मुकाबले में कानोता पोलो को 10-4 से हराया

जयपुर, 3 नवंबर। पद्मनाभ सिंह की टीम ने कानोता पोलो के खिलाफ 10 गोल दागकर मैच को अपने नाम किया जबकि उनके विरोधी ने सिर्फ 4 गोल किए। रविवार को आरपीसी ने कानोता पोलो को रोमांचक मुकाबले में 10-4 गोल से हराया। सितंबर पोलो सीजन 2024 के अंतर्गत आरपीसी पोलो कप (02 गोल) टूर्नामेंट का फाइनल रविवार को राजस्थान पोलो क्लब मैदान पर खेला गया। इस मुकाबले में टीम आरपीसी विजेता रही। फाइनल मुकाबले में पद्मनाभ का प्रदर्शन काफी दमदार रहा। उन्होंने अपनी टीम के लिए कुल पांच गोल किए। विजेता टीम जयपुर से एचएच महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने 5, आर्यन सिंह ने 2 और सिद्धांत सिंह ने 3 गोल कर टीम को जीत दिलाई। वहीं कानोता पोलो की ओर से दिव्यमान सिंह और अनिरुद्ध ने 1-1 गोल किये। कानोता पोलो टीम को दो अंकों का एडवांटेज मिला हुआ था। मैच के एम्पायर ऐलन और लांस वाट्सन ओर रेफ्री रणशेय पुरोहित थे।

// जयपुर ज़िला हैंडबॉल संघ //

राज्य प्रतियोगिताओं के लिए जयपुर जिले की टीमों का चयन चैंपियनशिपों से

केवल रजिस्टर्ड खिलाड़ी ही भाग ले सकेंगे

जयपुर, 3 नवंबर। जयपुर ज़िला हैंडबॉल संघ ने शनिवार को सत्र 2024-25 की सब जूनियर, जूनियर तथा सीनियर ज़िला हैंडबॉल प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी कर दिया। इन प्रतियोगिताओं में केवल रजिस्टर्ड खिलाड़ी ही भाग ले सकते है। जिनके पास आरएच-पिन नंबर होगा। जिन खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन नहीं करवाया है वे खिलाड़ी राज्य हैंडबॉल संघ की वेबसाइट पर लॉगिन कर रजिस्टर्ड करे।

जयपुर ज़िला हैंडबॉल संघ के मानद सचिव अरुण प्रताप सिंह ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि 29वी जयपुर ज़िला सब जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका) का सवाई मान सिंह स्टेडियम में 6 से 8 नवंबर तक होगा। इसमें 01.01.2010 को या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकते है। इसी प्रकार 41वी जयपुर ज़िला जूनियर हैंडबॉल प्रतियोगिता (बालक व बालिका) का आयोजन सवाई मान सिंह स्टेडियम में 9 से 11 नवंबर तक होगा। इसमें 01.01.2005 को या उसके बाद जन्मे खिलाड़ी भाग ले सकते है। उन्होंने बताया कि 47वी जयपुर ज़िला सीनियर हैंडबाल प्रतियोगिता (पुरुष व महिला) का आयोजन सवाई मान सिंह स्टेडियम में 23 से 26 नवंबर तक किया जाएगा। अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि इन प्रतियोगिताओं के दौरान ही आगामी राज्य प्रतियोगिता के लिये जयपुर के खिलाड़ियों का चयन भी किया जायेगा।

एसआईएस पिचेस ने आठ नई हाइब्रिड क्रिकेट पिचों का किया निर्माण

हमीरपुर, 3 नवंबर। भारत में उच्च गुणवत्ता वाली क्रिकेट सुविधाओं की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए खेल सतह डिजाइन, निर्माण और स्थापना में वैश्विक अग्रणी कम्पनी एसआईएस पिचेस ने आठ नए हाइब्रिड क्रिकेट पिचों का निर्माण पूरा होने की घोषणा की है।

इन आठ पिचों में से चार हमीरपुर के अमतर में अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम और चार अन्य बिलासपुर में लुहनु क्रिकेट स्टेडियम में बनाई गई हैं। धर्मशाला के एचपीसीए स्टेडियम में हाइब्रिड पिचों के सफल निर्माण के बाद ये नई पिचें दोनों स्थानों पर अधिक खेलों की मेजबानी और देश भर में क्रिकेट के बढ़ते उत्साह को पूरा करने की अधिक क्षमता प्रदान करेंगी। अमतर और बिलासपुर में दो-दो पिच मैदान के बीच में बनाई गई हैं जबकि दो-दो अतिरिक्त पिचें समर्पित अभ्यास क्षेत्र में तैयार की गई हैं। नई पिचें बिलासपुर और अमतर दोनों में सभी स्तरों पर क्रिकेटरों के लिए खेल की स्थिति और पेशेवर गुणवत्ता प्रशिक्षण सुविधाओं को बेहतर बनाएंगी। एसआईएस पिचेस ने अमतर के अभ्यास क्षेत्र में विशेष रूप से डिजाइन किए गए टर्फ का 30 वर्ग मीटर विस्तार भी किया है। यह अतिरिक्त टर्फ यहां की क्रिकेट महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए भविष्य की प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पूर्ति करेगा।

एसआईएस पिचेस के अंतरराष्ट्रीय सेल्स डायरेक्टर पॉल टेलर ने कहा भारत भर में हाइब्रिड पिचों के लिए बढ़ती रुचि को देखना उत्साहजनक है। बिलासपुर और अमतर में टीमों के साथ काम करना एक अच्छा अनुभव रहा है। ये पिच इन क्लबों को अधिक टिकाऊ सतहों पर अधिक गेम खेलने का मौका देंगे और अंतत यह सुनिश्चित करेंगे कि अधिक से अधिक खिलाड़ी अपने क्रिकेट में सुधार करें और खेल से लाभान्वित हों। अमतर में अटल बिहारी वाजपेयी क्रिकेट स्टेडियम के क्यूरेटर संजय ठाकुर ने कहा नई हाइब्रिड पिचें हमें अधिक क्षमता प्रदान करेंगी और हम अधिक मैचों की मेजबानी कर पाएंगे। ये पिचें अभ्यास के लिए बेहतर सुविधाएं भी प्रदान करेंगी जिससे हमें अपने क्षेत्र में क्रिकेट के प्रति बढ़ते उत्साह को पूरा करते हुए विभिन्न स्तरों पर प्रतिभाओं को निखारने में मदद मिलेगी। मई में एसआईएस पिचेस ने धर्मशाला में हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में भारत की पहली हाइब्रिड क्रिकेट पिचें निर्मित की थी।हाइब्रिड पिचें लगातार उछाल, स्थायित्व और बेहतर खेल अनुभव प्रदान करने के लिए प्राकृतिक और कृत्रिम टर्फ तकनीक को मिला कर बनाई जाती हैं।एसआईएसग्रास हाइब्रिड पिचों में प्राकृतिक घास को पांच प्रतिशत पॉलिमर फाइबर के साथ जोड़ा जाता है जो भारत की विविध जलवायु को सहन करने के लिए डिजाइन की गई हैं।

यूनिवर्सल मशीन हाईब्रिड पिच के निर्माण का एक महत्वपूर्ण घटक है जो पहली बार 2017 में एसआईएसग्रास द्वारा विकसित किया गया था। यह क्रिकेट स्टेडियमों और पिचों के अंदर प्राकृतिक टर्फ के साथ पॉलिमर फाइबर का एक छोटा अंश इंजेक्ट करता है। केवल पांच प्रतिशत सिंथेटिक फाइबर के साथ पिच सुनिश्चित करती है कि क्रिकेट के लिए आवश्यक प्राकृतिक विशेषताएं इसमें संरक्षित हैं।रूट एरेटेशन प्रणाली,एसआईएसएयर जैसी तकनीकों के माध्यम से पिच की सेहत तथा लचीलेपन में और सुधार होता है।

भारत ने अंडर-19 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में चार स्वर्ण सहित 17 पदक जीते

नई दिल्ली, 3 नवंबर। भारतीय मुक्केबाजों ने अंडर-19 विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण, आठ रजत और पांच कांस्य सहित कुल 17 पदक जीते। पदक जीतने वाले मुक्केबाजों में 11 खेलों इंडिया से जुड़े हैं और इनमें से आठ भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के प्रशिक्षु हैं।

अमेरिका के कोलोराडो में आयोजित हुई इस चैंपियनशिप में पार्थवी ग्रेवाल, वंशिका गोस्वामी और हेमंत सांगवान ने स्वर्ण पदक जीते। शनिवार को समाप्त हुए टूर्नामेंट में 19 में 17 मुक्केबाजों ने पदक जीते। भारत को महिला वर्ग में 10 पदक और पुरुष वर्ग में सात पदक मिले।

पार्थवी ने महिलाओं के 65 किग्रा फाइनल में नीदरलैंड्स की आलिया होपेमा पर 5-0 से जीत दर्ज की। वंशिका ने 80 किग्रा वर्ग में जर्मनी की विक्टोरिया गैट को हराया और कृषा वर्मा ने महिला, 75 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता।

पुरुष वर्ग में हेमंत ने 90 किग्रा वर्ग में अमेरिका के रिशोन सिम्स पर 4-1 के विभाजित निर्णय से जीत हासिल करके स्वर्ण जीता।

इसके अलावा निशा (51 किग्रा), सुप्रिया देवी थोकचोम (54 किग्रा) और कृतिका वासन (80 किग्रा), चंचल चौधरी (महिला, 48 किग्रा), अंजलि सिंह (महिला, 57 किग्रा), विनी (महिला, 60 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (महिला, 70 किग्रा), राहुल कुंडू (पुरुष, 75 किग्रा) को रजत पदक मिले।

वहीं ऋषि सिंह (पुरुष 50 किग्रा), कृष पाल (पुरुष 55 किग्रा), सुमित (पुरुष 70 किग्रा), आर्यन (पुरुष 85 किग्रा), लक्ष्य राठी (पुरुष 90 से अधिक किग्रा) में कांस्य पदक हासिल किया।

175 साइकिल चालकों की बड़ी भागीदारी के बीच टूर डी सनावर संपन्न

शिमला, 3 नवंबर। हिमाचल प्रदेश के सनावर स्थित द लॉरेंस स्कूल की ओर से स्कूल के पूर्व छात्र संगठन द ओल्ड सनावरियन सोसाइटी के सहयोग से आयोजित वार्षिक साइक्लोथॉन टूर डी सनावर का रविवार को आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में चार आयु वर्गों में 16 स्कूलों और 20 से अधिक शहरों, जिनमें बेंगलुरु, पुणे और गुवाहाटी शामिल हैं, के 175 साइकिल चालकों ने भाग लिया। हीरो साइकिल्स के चेयरमैन पंकज मुंजाल (जो स्कूल के पूर्व छात्र भी हैं) और ओल्ड सनावरियन सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज सप्रू ने स्कूल के प्रधानाध्यापक हिम्मत सिंह ढिल्लों की मौजूदगी में साइकिलिंग रेस को हरी झंडी दिखाई। कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण लक्ष्य जांगिड़ द्वारा किया गया साहसी साइकिल स्टंट शो था, जो एक पेशेवर एमटीबी स्टंट राइडर और चार बार के विश्व चौंपियन होने के साथ-साथ साइकिल स्टंट में विश्व रिकॉर्ड धारक भी हैं। जूनियर वर्ग में लड़कियों में लॉरेंस स्कूल सनावर की आरिनी और लड़कों में स्टोक्स मेमोरियल शिमला के सार्थक ठाकुर ने पहला स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में लड़कियों और लड़कों में क्रमश: लॉरेंस स्कूल सनावर की मनस्वी बडोला और जीएमएसएस के अर्नव ने पहला स्थान प्राप्त किया।